

कार्यालय जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
पत्रांक: 1116 / जि०यो०-प्र०वि०स्वी०/2008-09 दिनांक: 3/6, 2008
कार्यालय झाप

शासनादेश संख्या 422/XVI/08/7(25)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 17 अप्रैल, 2008 द्वारा उद्यान विभाग के वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या - 29 आयोजनात्मक पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु निम्न मदों में धनराशि आवंटित की गयी है। (धनराशि हजार ₹० में)

क्रम सं०	योजना का नाम	अवमुक्त धनराशि/आहरण वितरण अधिकारी		योग
		जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़	आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी मुनस्यारी	
	अनुदान संख्या - 29			
1	9111-फल एवं सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण की योजना	255	-	255
2	9112-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन पौधालय विकास	800	412	1212
	कुल धनराशि	1055	412	1467

शासनादेश संख्या 425/XVI/08/7(26)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 द्वारा उद्यान विभाग के वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या - 30 आयोजनात्मक पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु निम्न मदों में धनराशि आवंटित की गयी है। (धनराशि हजार ₹० में)

क्रम सं०	योजना का नाम	अवमुक्त धनराशि/आहरण वितरण अधिकारी		योग
		जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़	आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी मुनस्यारी	
	अनुदान संख्या - 30			
1	0201-प्रदेश को अनु०जाति बाहुल्य क्षेत्रों में औद्योगिक विकास	200	185	385
2	0292-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन पौधालय विकास	200	252	512
	कुल धनराशि	400	437	897

शासनादेश संख्या 426/XVI/08/7(27)/08 उद्यान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 18 अप्रैल, 2008 द्वारा उद्यान विभाग के वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या - 31 आयोजनात्मक पक्ष में जिला सैक्टर की चालू योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु निम्न मदों में धनराशि आवंटित की गयी है। (धनराशि हजार ₹० में)

क्रम सं०	योजना का नाम	अवमुक्त धनराशि/आहरण वितरण अधिकारी		योग
		जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़	आलू एवं शाकभाजी विकास अधिकारी मुनस्यारी	
	अनुदान संख्या - 31			
1	14-फल एवं सब्जियों को सुखा कर प्रसंस्करण की योजना	55	-	55
2	15-उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन/ पौधालय विकास	70	59	129
	कुल धनराशि	125	59	184
	उपरोक्त शासनादेशों का बृहद योग	1640	908	2548

इस प्रकार उक्त तीनों शासनादेशों से उक्तानुसार कुल 25.48 लाख ₹० (पच्चीस लाख अठ्ठावन हजार ₹०) की धनराशि अवमुक्त/निर्वहन पर रखी गयी है।

जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़ ने अपने पत्र संख्या 306/लेखा-बजट/2008-09 दिनांक 16.05.2008 द्वारा उक्त आवंटित धनराशि की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति चाहने हेतु इस कार्यालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

उक्त शासनादेशों में दिये निर्देशानुसार तथा जिला उद्यान अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव के क्रम में वर्ष 2008-09 की जिला योजना में उद्यान विभाग पिथौरागढ़ हेतु जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति से अनुमोदित उपरोक्त कार्यों के सम्पादन हेतु मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि०यो०/श०यो०आ०/मु०स०/2008 दिनांक 24.03.2008 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़ को कुल 16.40 लाख ₹० तथा आलू एवं शाकभाजी अधिकारी मुनस्यारी को 9.08 लाख ₹० कुल 25.48 लाख ₹० की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों के अधीन प्रदान की जाती है।

कमश:-2

1. उक्त शासनादेशों में उल्लेखित समस्त शर्तों एवं प्राविधानों का पालन सुनिश्चित किया जाय।
2. इस धनराशि का व्यय केवल जिला नियोजन एवं अनुसंधान समिति द्वारा वर्ष 2008-09 में अनुमोदित कार्यों के लिये किया जायेगा।
3. स्वीकृत धनराशि को सम्बन्ध व्यय स्वीकृत योजनाओं पर ही आवंटित किया जाय। धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत किया जाय। आगे आवश्यक हो सतत अधिकारी की पूर्ण सहमति/स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
4. जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तापूर्ति का नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा सार्वजनिक अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो उसमें धनराशि व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृतियों अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
5. स्वीकृति धनराशि ऐसे कार्यों पर व्यय न की जाय जिसमें किसी प्रकार का विवाद हो।
6. स्वीकृत धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2009 तक कर लिया जाय तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं प्रगति विवरण विभागाध्यक्ष/शासन को उपलब्ध कराया जाय।
7. किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार कम प्रक्रिया वित्तीय नियम संघट खण्ड 1 वित्तीय अधिकारी का प्रतिनिध्यापन नियम संघट खण्ड 5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुरंगित नियम/शासनादेश आदि का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
8. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है। आहरण/व्यय एक मुरत न करके आवश्यकता अनुसार ही किया जाय।
9. व्यय करते समय गिराव्यवस्था को सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में विहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
10. उपरोक्त स्वीकृति की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय शासनादेशों में विहित शर्तों के अधीन किया जाय।
11. स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रमाण पत्र शासन/विभागाध्यक्ष को प्रस्तुत किया जायेगा।
12. वित्तीय व्यय विवरण/बी0एम0-8 प्रत्येक माह अपने विभागाध्यक्ष को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।
13. इस सम्बन्ध में हुए सार्वजनिक व्यय अनुदान संख्या 29, 30 एवं 31 आयोगागत के अन्तर्गत उक्त शासनादेशों में उल्लेखित एतद्वारा लेखा शीर्षकों के नामे डाला जायेगा।

मह आदेश मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 624/जि0यो0/सा0मो0आ0/मु0रा0/2008 दिनांक 24.03.2009 /शासनादेश संख्या 422/XVI/08/7(26)/08 उद्घान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 17 अप्रैल, 2008/शासनादेश संख्या 429/XVI/08/7(26)/08 उद्घान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 15 अप्रैल, 2008/शासनादेश संख्या 425/XVI/08/7(27)/08 उद्घान एवं रेशम अनुभाग - 1 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 को कम में जारी किये जा रहे हैं।

(डी. लेखित कक्षियन)
जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।


संख्या 1116 /जि0यो0/प्रा0वि0रवी0/2008-09 तृतीय विभाग

प्रतिनिधि विभागाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. जिला उद्यान अधिकारी, पिथौरागढ़।
2. आय एवं शासनादेशी विकास अधिकारी, मुनस्वारी।
3. कोषाधिकारी, डीडीहाट।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पिथौरागढ़।
5. अर्थ एवं संस्थाधिकारी, पिथौरागढ़।
6. उप निदेशक, (अर्थ एवं संस्था) कुमायूँ गंडल हस्तगामी।
7. निदेशक, अर्थ एवं संस्था, देहरादून।

प्रतिनिधि सूचनार्थ प्रेषित।

1. औपुक्त कुमायूँ गंडल गैरीताल।
2. निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उद्यान भवन, चौकटिया-रानीखेत।
3. निदेशक, एम0आई0सी0, देहरादून।
4. सहाय्य सचिव, राज्य योजना आयोग, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-2/राज्य योजना आयोग बजट सेल उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
6. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
7. सचिव, उद्यान एवं रेशम, उत्तराखण्ड देहरादून।
8. सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन देहरादून।
9. सचिव, वित्त उत्तराखण्ड शासन देहरादून।


जिलाधिकारी,
पिथौरागढ़।